24/9/2

पेक्क,

थी के उपसव दियात, अपर सचिव, उत्तरांबल शासन । द्भावः :11

सेवा में.

निदेशाक, प्रशिक्षण एवं केवायीजन, उत्तरांबल, हल्द्वानी ।

त्रव सेवायोजन वि० एवं प्री० विभाग देहरादून दिनांक २५ सितम्बर -2002 विद्या : वित्तीय वर्ध-2002-03 हेतु जनपद नैनीताल के रामनगर देत में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण तंस्थान स्थापित करने की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान किये वाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विष्यक आपके पन संख्या : 129/डीटी ईयु/432/01/राज्य यो 3/2002 दिनांक 09, अप्रैल-2002 के संदर्भ में मुझे यह करने का निदेश हुआ है, ि जनपद नैनीताल के रामनगर केन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षणा संस्थान की स्थापना किये जाने का निर्णाय तिथा नया है, उतः मानक मद संस्था-26-मशानि साज-सज्जा और उपजरणा मह में क्लेग्य मदवार विदरणा-नुसार आयोजनायद पार्र में कृत रूपये 41,01,000=00 किय्ये इल्क्तम्लीस लाख एक टजार मानके की धनराशिंग के व्यय की भी र ज्यापन महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करों हैं।

2- अन्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस शार्त है अधीन स्वीकृत की जा रही है, कि इकोनोमी मदों में आंबदित सीमा तह ही करव सीमित रहा पाये।
उकत उपकरणों है क्यों स्टोर परवेज स्त्स के अन्तंगत डी क्यों करता के अधीन हरों पर तथा भित्वव्यतता के सम्बन्ध में समय-तमय पर बार निर्देशों के अधीन क्यम किया जाये, और तदनुसार कार्यवाही करने के उपरान्त शासन को भी अवगत कराया जाये। यहाँ पर यह भी त्यहद किया जाता है, कि धनराशि का आंबदन किसी ऐसे क्यम को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे क्यम करने के लिए बजद मैनुअल या जित्तीय हस्तपृष्टितका के नियमों याअन्य आदेशों का उत्लंधन होता हो, क्यम से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। क्यम में मित्रक्यतता नितान्त आवश्यक है। मित्रक्यतता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपानन कहाई से किया जाना सुनिश्चत किया जाये।

3- उन्त न्यव वाणू विस्तीय वर्ष-2002-03 की अनुवान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्का-2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिषणा, आयोजनागत 003-दस्तकारों तथा प्रविक्षकों का प्रशिक्षणा 07-राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षणा संस्थानों का सुद्धीकरणा 26-मशीनें सन्ता उपकरणा और संयंत्र, आयोजनागत, 00 के अन्तंगत उत्तिचित् सुतंगत प्राथमिक इकाईयाँ के नामे हाला आयेगा।

4- यह आदेश विन्त विभाग के अशासकीय संख्या यूट्योठ-1285/2002 दिनांक 21, सितम्बर-2002 के अन्तंगत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथीपरि ।

है केंग्रस्थ दरियाल है श्री अपर समिव

पूर्णां वन संवया : 4411818/अस सेवा/482-वर्ण/2002 तद्विनां व :

प्रतिलिपि निस्तिलिदित् को सुबनार्थ गर्न आवस्यक कार्यनाही हेतु प्रेष्टित :-

- महालेखाकार, उत्तरांका, इलाहाबाद ।
- 2. कोबारिकारी, नैनीताल !
- 3. इयानावार्य, राजकीय शीजी कि प्रशिक्षा क्ष्यान, रामनगर वनिताल
- 4. अंयुक्त निवेशक, कुमाँचु मण्डल, प्रशिक्षण प्रश्रवह,,डल्डानी ।
- 5. विस्त अनुस्या-3
- 6. गार्ड-काडल I

33/9/200

आहा से, () जिल्हा दरियाल है अपर सचिव।